रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 25, 2018/माघ 5, 1939
No. 42] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 25, 2018/MAGHA 5, 1939

राष्ट्रपति सचिवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 जनवरी, 2018

संख्या 2-प्रेज़/2018.—राष्ट्रपति, अति असाधारण वीरतापूर्ण कार्यों के लिए निम्नलिखित व्यक्ति को "**अशोक चक्र**" पुरस्कार प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :-

918203 कॉर्पोरल ज्योती प्रकाश निराला भारतीय वायु सेना (सुरक्षा) (मरणोपरांत)

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख: 18 नवम्बर, 2017)

918203 कॉर्पोरल ज्योती प्रकाश निराला, भारतीय वायु सेना (सुरक्षा) एक विशेष गरूड़ बल यूनिट की तैनात नफरी पर थे जो जम्मू-कश्मीर में विद्रोह गतिविधियों के खिलाफ 'ऑपरेशन रक्षक' के तहत राष्ट्रीय राइफल बटालियन के साथ सक्रिय कार्रवाई से जुड़ा था।

18 नवंबर 2017 को विशिष्ट तकनीकी आसूचना के आधार पर जम्मू-कश्मीर के बांदीपुरा जिले के चंदरगेर गांव में गरूड़ टुकड़ी और राष्ट्रीय राइफल द्वारा संयुक्त रूप से एक धावा बोला गया। गरूड़ टुकड़ी लक्ष्य घर की तरफ छिपकर आगे बढ़ी जहां संदिग्ध आतंकवादी छिपे हुए थे और इसने वहां एक नजदीकी घेरा डाला। कॉर्पोरल निराला ने असाधारण युद्ध कौशल का प्रदर्शन करते हुए छिपने के स्थान के पास पहुंचने के रास्ते के निकट जगह बनाई और इस प्रकार आतंकवादियों के निकल भागने की सभी संभावनाओं को खत्म कर दिया। इतने नजदीक से ऐसा घेरा डालने के लिए असाधारण साहस और व्यावसायिक सूझ-बूझ का होना जरूरी होता है।

जब टुकड़ी घेरा डालकर इंतजार कर रही थी तो उस मकान में छिपे छह आतंकवादी गरूड़ दल पर गोलीबारी करते और हथगोला फेंकते हुए बाहर की ओर भागे। अपनी जान की बिल्कुल भी परवाह न करते हुए और अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए कार्पोरल निराला ने प्रभावी मारक गोलीबारी के साथ उन्हें जवाब दिया और 'ए' श्रेणी के दो आतंकवादियों को मार गिराया और दो अन्य को घायल कर दिया। इस हिंसक आपसी गोलीबारी में कॉर्पोरल निराला छोटे हथियारों की गोलीबारी का निशाना बन गए। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद कॉर्पोरल

निराला ने जवाबी गोलीबारी जारी रखी जिसमें सभी छह खूंखार आतंकवादियों को मार गिराया गया। बाद में इस जबरदस्त मुठभेड़ में लगी गोलियों की घातक चोट से वह वीरगति को प्राप्त हो गए।

कॉर्पोरल ज्योती प्रकाश निराला ने आतंकवादियों के साथ लड़ने में असाधारण वीरता का प्रदर्शन करते हुए जीवन का सर्वोच्च बलिदान दिया।

भरत लाल, राष्ट्रपति के संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd January, 2018

No. 2-Pres/2018.—The President is pleased to approve the award of the "**Ashoka Chakra**" to the undermentioned person for the act of most conspicuous gallantry:-

918203 CORPORAL JYOTI PRAKASH NIRALA INDIAN AIR FORCE (SECURITY) POSTHUMOUS)

(Effective date of the award: 18 November, 2017)

918203 Corporal Jyoti Prakash Nirala Indian Air Force (Security) was on posted strength of a Garud Special Forces Unit, a detachment of which was attached to a Rashtriya Rifles Battalion under aegis of 'Op Rakshak' in Jammu & Kashmir.

On 18 November, 2017, based on specific tech intelligence, an offensive was launched jointly by the Garud detachment and Rashtriya Rifles Battalion in Chanderger village of Bandipora district in J&K. The Garud detachment covertly approached the target house where the suspected terrorists were hiding and laid a close quarter ambush. Cpl Nirala, displaying exceptional battle craft, positioned himself close to the approach of the hideout, thus cutting off all possibilities of an escape by the terrorists. Laying this ambush itself at such close quarters demanded a very high degree of courage and professional acumen.

While the detachment laid in wait, six terrorists hiding in the house, rushed out, shooting and lobbing grenades at the Garuds. Cpl Nirala, disregarding personal safety and displaying indomitable courage, retaliated with effective lethal fire and gunned down two category 'A' terrorists and injured two others. In this violent exchange of fire, Cpl Nirala was hit by a volley of small arms fire. Despite being critically injured, the Corporal continued retaliatory fire. Subsequently, he succumbed to fatal gunshot wounds received in the fierce encounter, which resulted in the killing of all six dreaded terrorists.

Corporal Jyoti Prakash Nirala exhibited most conspicuous gallantry in fighting with terrorists and made supreme sacrifice.

BHARAT LAL, Jt. Secy. to the President

RAKESH SUKUL
Digitally signed by RAKESH SUKUL
Date: 2018.01.27 13:28:02 +05'30'

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054.